प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 5
विषय - हिंदी (आधार) - 302
कक्षा - बारहवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- इस प्रश्न पत्र में खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'अ' में उप - प्रश्नों सहित 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ब' में 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[10]**

1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्र में जीत हासिल करने में भारतीय नौसेना द्वारा निभाई गई निणार्यक भूमिका की याद में प्रति वर्ष 04दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा अवसर है जब हम अपने शहीदों को श्रध्दांजलि अर्पित करते हैं तथा अपने सेवानिवृत्त सैनिकों और युद्ध-विधवाओं के बलिदान को याद करते हैं। इस दिन भारतीय नौसेना राष्ट्र की निरंतर सेवा के प्रति अपनी वचनबद्धता और निष्ठा को दोहराती है। भारत की समुद्री शक्ति के प्रमुख उपादान और अभिव्यक्ति के रूप में समुद्री अधिकार-क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा की निगरानी और उसमें बढोत्तरी के लिए भारतीय नौसेना एक अहम भूमिका का निर्वाह करती है अधिकांशत: जनता की नजरों से दूर 'खामोशी के साथ काम करने वाली इस सेना' के आकार और क्षमता में स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद वृद्धि हुई है, जो सतत रूप से बढ़ते इसके कार्यक्षेत्र तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके बढ़ते महत्व के अनुरूप है। नौसेना की सक्रियात्मक गतिविधियों में तदनुसार संगत विस्तार हुआ है तथा इसमें हिंद महासागरीय क्षेत्र तथा उससे परे के क्षेत्रों का भी समावेश हो गया है। यह जानकर शुख्द अनुभूति होती है कि नौसेना हमारी विस्तृत समुद्री सीमाओं की निरंतर चौकसी कर रही है और उनमे पेश आने वाले खतरों और चुनौतियों का हमेशा तेजी से और पूरी दक्षता के साथ मुकाबला किया है। समुद्री डकैती की रोकथाम, प्राक्रतिक आपदाओं और मानवीय त्रासदी के दौरान तत्काल सहायता उपलब्ध कराने में भारतीय नौसेना की अनवरत प्रतिवद्धता वास्तव में सराहनीय है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे समर्पित और निष्ठावान नौसेना कार्मिक राष्ट्र द्वारा उन्हें सौंपे गए दायित्वों को पूरा करने के लिए सतत प्रयास करते रहेंगे।

(i) **परम्परागत** शब्द से क्या तात्पर्य है?

i. परम्परा से गए हुए

ii. परम्परा से मिले-जुले

iii. परम्परा से आए हुए
iv. पराए वश में पड़े हुए

(ii) भारत-पाक युद्ध कब हुआ था?
i. 1971 में
ii. 1972 में
iii. 1965 में
iv. 1947 में

(iii) यह जानकर बहुत आनंद पाप्त होता है कि हमारी नौसेना-
i. विशाल समुद्री सीमा की चौकसी कर रही है।
ii. विशाल युद्धों में भाग लेती है।
iii. जनता की नज़रों से दूर रहकर काम करती है।
iv. विशाल हिन्द महासागर में स्थित है।

(iv) अहम भूमिका से क्या तात्पर्य है?
i. अहंकार से भरी भूमिका
ii. अभिमान से पूर्ण भूमिका
iii. महत्वपूर्ण भूमिका
iv. अपनी भूमिका

(v) नौसेना दिवस कब मनाया जाता है?
i. 2 दिसंबर
ii. 3 दिसंबर
iii. 4 दिसंबर
iv. 5 दिसंबर

(vi) नौसेना दिवस पर भारतीय नौसेना क्या करती है?
i. राष्ट्र की निरंतर सेवा के प्रति वचनबद्धता को निभाती है।
ii. अपने दायित्वों का निर्वाह
iii. अपने कर्तव्यों का निर्वाह
iv. सेना के कर्तव्यों का निर्वाह

(vii) **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**
I. भारतीय नौसेना की भूमिका की याद में नौसेना दिवस मनाया जाता है।
II. भारतीय नौसेना हमारे राष्ट्र की सेवा कभी-कभी करती है।

III. समुद्री डकैतों को रोकने में भारतीय नौसेना सहायक होती है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

i. I और II

ii. II और III

iii. I और III

iv. I, II और III

(viii) नौसेना का विस्तार कहाँ तक है?

i. हिन्द महासागर तक

ii. हिन्द महासागर से परे

iii. हिन्द महासागर से पहले

iv. हिन्द महासागर से अरब तक

(ix) नौसेना किसकी चौकसी कर रही है?

i. हमारी विस्तृत समुद्री सीमाओं की

ii. हमारी संक्षिप्त समुद्री सीमाओं की

iii. हमारी सेना की

iv. हमारी वायु सेना की

(x) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाता है ।

कारण (R): भारतीय नौसेना ने 1971 के युद्ध में एक अहम भूमिका निभाई थी ।

i. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ii. कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

iii. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

iv. कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

पथ भूल न जाना पथिक कहीं
पथ में काँटे तो होंगे ही
दूर्वादल सरिता सर होंगे
सुंदर गिरी वन वापी होंगे
सुन्दरता की मृगतृष्णा में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।
जब कठिन कर्म पगडंडी पर

राही का मन मनुन्मुख होगा
जब सपने सब मिट जाएँगे
कर्तव्य मार्ग सन्मुख होगा
तब अपनी प्रथम विफलता में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं

(i) पथिक क्यों भटक सकता है?

क) सुन्दरता के आकर्षण में
ख) जानकारी के अभाव में
ग) थकान के कारण
घ) जंगल के घनेपन के कारण

(ii) जंगली मार्ग में काँटों के साथ-साथ और क्या होता है?

क) हरीतिमा
ख) पत्थर
ग) वन-तालाब और सुंदर दृश्य
घ) पशु-पक्षी

(iii) **कर्म पगडंडी** किसे कहा गया है?

क) जीवन की सुविधाओं को
ख) जीवन की उलझनों को
ग) जीवन की कठोर साधना को
घ) जीवन की मुश्किलों को

(iv) 'पथ में काँटे तो होंगे ही' - पंक्ति में 'काँटे' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
कथन (I): काँटे शब्द का अर्थ मार्ग में आने वाली बाधाओं से है
कथन (II): काँटे शब्द का अर्थ लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली रुकावटों से है
कथन (III): काँटे शब्द का अर्थ फूलों में होने वाले काँटे से है
कथन (IV): काँटे शब्द का अर्थ गुलाब के काँटों से है
निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

क) केवल कथन (I) सही है।
ख) केवल कथन (I) और (II) सही हैं।
ग) केवल कथन (II) सही है।
घ) केवल कथन (III) और (IV) सही हैं।

(v) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
1. पथिक	(i) दूब घास के कोमल पत्ते
2. वापी	(ii) राहगीर
3. दूर्वादल	(iii) बावड़ी

क) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii) ख) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

ग) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii) घ) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-** **[5]**

(i) विश्व में पत्रकारिता को अस्तित्व में आए कितने वर्ष हुए? **[1]**

क) 400 वर्ष ख) 100 वर्ष

ग) 300 वर्ष घ) 600 वर्ष

(ii) भारत का पहला समाचार वाचक किसे माना जाता है? **[1]**

क) उपनिषदों को ख) नारद को

ग) वेदों को घ) मनु को

(iii) किसी सामग्री की अशुद्धियों को दूर कर उसे पठनीय बनाना। कहलाता है- **[1]**

क) वेब पत्रकारिता ख) संपादन

ग) पत्रकारिता घ) फीचर लेखन

(iv) रडियो समीक्षा में क्या आवश्यक नहीं है? **[1]**

क) दुरूह भाषा ख) अंकों को शब्दों में लिखना

ग) समान्य भाषा घ) मुहावरेदार भाषा

(v) विशेषज्ञता कैसे हासिल की जा सकती है? **[1]**

क) निरंतर दिलचस्पी और सक्रियता ख) सहजता

ग) अध्ययन घ) अभ्यास

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए

हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कुराएँगे हम

(i) **होंठों की कसमसाहट** क्या अभिव्यक्त करती है?

क) सहजता को
ख) मन की प्रसन्नता को
ग) असमर्थता को
घ) गंभीरता को

(ii) कार्यक्रम का प्रस्तुतकर्ता परदे पर क्या दिखाने की बात करता है?

क) फूली हुई बड़ी आँख
ख) अपाहिज व्यक्ति का दुःख-दर्द
ग) सभी विकल्प सही हैं
घ) अपाहिज व्यक्ति के होंठों की पीड़ा

(iii) प्रस्तुतकर्ता की दृष्टि में कार्यक्रम सफल कब माना जाएगा?

क) जब अपाहिज व्यक्ति और दर्शक की मनःस्थिति एक जैसी हो जाएगी
ख) जब प्रस्तुतकर्ता स्वयं अपाहिज के दर्द को समझेगा
ग) जब दर्शक उससे तादात्म्य कर लेगा
घ) जब अपाहिज व्यक्ति का दुःख व्यक्त होगा

(iv) अपाहिज की स्थिति का चित्रण करने वाले कार्यक्रम निर्माता का उद्देश्य क्या होता है?

क) दुःखी व पीड़ित व्यक्ति की व्यथा का वर्णन करना
ख) पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाना
ग) संवेदनहीन समाज का चित्रण करना
घ) कार्यक्रम की व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता

(v) **हमें दोनों एक संग रुलाने हैं** पंक्ति में 'दोनो' शब्द किनके लिए आया है?

क) कवि और अपाहिज व्यक्ति
ख) प्रस्तुतकर्ता और अपाहिज व्यक्ति
ग) अपाहिज व्यक्ति और दर्शक
घ) दर्शक और कवि

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

यह विडंबना की ही बात है, कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है, कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस

तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है, कि जाति-प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है। श्रम विभाजन, निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, परंतु किसी भी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभविक विभाजन नहीं करती। भारत की जाति-प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती, बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है, जोकि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) जातिवाद के पोषकों द्वारा श्रम-विभाजन किसका दूसरा रूप माना जाता है?

क) मजदूरी प्रथा का | ख) जाति-प्रथा का

ग) समरसता का | घ) बाल विवाह प्रथा का

(ii) कौन-सा समाज कार्य-कुशलता के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है?

क) सभ्य सनातनी समाज | ख) असभ्य समाज

ग) सभ्य आधुनिक समाज | घ) आदि मानव समाज

(iii) भारत की जाति-प्रथा की क्या विशेषता बताई गई है?

i. यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन करती है
ii. विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे को ऊँच-नीच बताना
iii. (i) और (ii) दोनों
iv. सभी को समान अधिकार देना

क) विकल्प (iii) | ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (ii) | घ) विकल्प (i)

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): जाति-प्रथा समाज में स्वाभाविक विभाजन करती है।
कारण (R): किसी भी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभविक विभाजन नहीं करती।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A)

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

की सही व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

i. भारतीय जाति व्यवस्था में श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन नहीं होता है।
ii. यहाँ जातियों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच और नीच बना दिया जाता है।
iii. यह विश्व के किसी और समाज में नहीं पाया जाता है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

क) i और ii
ख) ii और iii
ग) सभी विकल्प सही हैं
घ) i और iii

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-** **[10]**

(i) यशोधर बाबू ने शाम को कितनी देर तक पूजा किया? **[सिल्वर वेडिंग]** **[1]**

क) 10 मिनट
ख) 25 मिनट
ग) 15 मिनट
घ) 40 मिनट

(ii) यशोधर का दूसरा बेटा क्या करता है? **[1]**

क) नौकरी
ख) समाज सेवा
ग) आई० ए० एस० की तैयारी
घ) साफ-सफाई

(iii) यशोधर बाबू का पालन-पोषण किसने किया? **[1]**

क) किशनदा ने
ख) विधवा बुआ ने
ग) माँ ने
घ) पिता ने

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। **[1]**
कथन (A): सामान्यतया लोग अपने बच्चों की आकर्षक आय पर गर्व का अनुभव करते हैं, पर यशोधर बाबू के साथ ऐसा नहीं था।
कारण (R): यशोधर बाबू को अपने बच्चे की मोटी तनख्वाह पर शक करने की बजाय वास्तविकता को जानने का प्रयास करना चाहिए था।

क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
ख) कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किन्तु कारण (R) कथन
घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(v) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:- **[1]**
कथन (I): लेखक का दाखिला छठी कक्षा में हुआ था।
कथन (II): कई शरारती लड़कों ने लेखक को परेशान कर दिया।
कथन (III): उदास होने के बाद भी लेखक ने पाठशाला जाना नहीं छोड़ा।
कथन (IV): लेखक की पहचान के सभी लड़के अगली कक्षा में चले गए थे।
सही कथन/कथनों वाले विकल्प को चयनित कर लिखिए।

क) कथन (I), (II) तथा (III) सही हैं।
ख) कथन (I) तथा (II) सही हैं।
ग) कथन (II) तथा (III) सही हैं।
घ) कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।

(vi) **जूझ** उपन्यास का हिंदी अनुवाद किसने किया है? **[1]**

क) प्रेमचंद
ख) केशव प्रथम वीर
ग) केशवदास
घ) धरम वीर

(vii) लेखक आनंद यादव का जन्म कब हुआ? **[1]**

क) 1944
ख) 1935
ग) 1922
घ) 1990

(viii) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर महाकुंड के तीन तरफ किसके कक्ष बने हुए हैं? **[1]**

क) अमीरों के
ख) मेहमानों के
ग) कामगारों के
घ) साधुओं के

(ix) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर मुअनजो-दड़ो को नागर भारत का सबसे पुराना क्या कहा गया है? **[1]**

क) लैंडस्केप
ख) नगर
ग) गाँव
घ) कस्बा

(x) मुअनजो-दड़ो का नगर कितने हजार साल पहले का है? **[1]**

क) 3000 साल
ख) 5000 साल
ग) 2000 साल
घ) 1000 साल

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:** **[6]**

(i) **सुबह की सैर का आनंद** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

(ii) **स्वदेश-प्रेम** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

(iii) **गाँव की सुबह** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i)
i. कहानी में कहानीकार संवादों को क्यों जोड़ता है? यह भी लिखिए कि संवाद कैसे होने चाहिए, कोई एक बिंदु लिखिए। **[3]**

(ii)
अथवा

i. मुद्रित माध्यमों की सीमा क्या है ? **[3]**

(iii)
i. रेडियो नाटक में पात्र संबंधी किन महत्वपूर्ण बातों की जानकारी मिलती है स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(iv)
अथवा

i. विशेष लेखन के पाठकों की विशेषता लिखिए? **[3]**

9. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) रेडियो की लोकप्रियता के क्या कारण हैं? **[3]**

(ii) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है? **[3]**

(iii) विशेष रिपोर्ट किसे कहा जाता है? यह कैसे तैयार की जाती है? **[3]**

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) दिन के जल्दी-जल्दी ढलने से क्या प्रेरणा मिलती है? **[3]**

(ii) कवि **कुंवर नारायण** को पसीना आने का क्या कारण था? **[3]**

(iii) **लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप** कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) **[2]**
आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी-

रुबाइयाँ की इन पंक्तियों में माँ के वात्सल्य भाव को किस उदाहरण द्वारा प्रकट किया गया है? स्पष्ट करते हुए भाव-सौन्दर्य लिखिए।

(ii) पतंग कविता में बच्चों द्वारा दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने से कवि का क्या आशय है? **[2]**

(iii) **सिल** और **स्लेट** के माध्यम से कवि **शमशेर बहादुर सिंह** किस प्रकार अपने मंतव्य को प्रकाशित करता है? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) **बाज़ार** पर आधारित लेख **नकली सामान पर नकेल ज़रूरी** का अंश पढ़िए और नीचे दिए गए बिंदुओं पर कक्षा में चर्चा कीजिए। **[3]**

i. नकली सामान के खिलाफ़ जागरूकता के लिए आप क्या कर सकते हैं?

ii. उपभोक्ताओं के हित को मद्देनज़र रखते हुए सामान बनाने वाली कंपनियों का क्या नैतिक दायित्व हैं?

iii. ब्रांडेड वस्तु को खरीदने के पीछे छिपी मानसिकता को उजागर कीजिए?

नकली सामान पर नकेल जरूरी।

अपना क्रेता वर्ग बढ़ाने की होड़ में एफएमसीजी यानी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनियाँ गाँव के बाजारों में नकली सामान भी उतार रही हैं। कई उत्पाद ऐसे होते हैं जिन पर न तो निर्माण तिथि होती है और न ही उस तारीख का जिक्र होता है जिससे पता चले कि अमुक सामान के इस्तेमाल की अवधि समाप्त हो चुकी है। आउटडेटेड या पुराना पड़ चुका सामान भी गाँव-देहात के बाजारों में खप रहा है। ऐसा उपभोक्ता मामलों के जानकारों का मानना है। नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्सल कमीशन के सदस्य की मानें तो जागरूकता अभियान में तेजी लाए बगैर इस गोरखधंधे पर लगाम कसना नामुमकिन है।

उपभोक्ता मामलों की जानकार पुष्पा गिरि माँ जी का कहना है, 'इसमें दो राय नहीं है कि गाँव-देहात के बाजारों में नकली सामान बिक रहा है।' महानगरीय उपभोक्ताओं को अपने शिकंजे में कसकर बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, खासकर ज्यादा उत्पाद बेचने वाली कंपनियाँ, गाँव का रुख कर चुकी हैं। वे गाँववालों के अज्ञान और उनके बीच जागरुकता के अभाव का पूरा फायदा उठा रही हैं। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए कानून ज़रूर है लेकिन कितने लोग इनका सहारा लेते हैं यह बताने की ज़रूरत नहीं। गुणवत्ता के मामले में जब शहरी उपभोक्ता ही उतने सचेत नहीं हो पाए हैं तो गाँव वालों से कितनी उम्मीद की जा सकती है।

इस बारे में नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन के सदस्य जस्टिस एस. एन. कपूर का कहना है, 'टी.वी. ने दूरदराज के गाँवों तक में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को पहुँचा दिया है। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ विज्ञापन पर तो बेतहाशा पैसा खर्च करती हैं। लेकिन उपभोक्ताओं में जागरूकता को लेकर वे चवन्नी खर्च करने को तैयार नहीं हैं। नकली सामान के खिलाफ जागरूकता पैदा करने में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी मिलकर ठोस काम कर सकते हैं। ऐसा कि कोई प्रशासक भी न कर पाए।'

बेशक, इस कड़वे सच को स्वीकार कर लेना चाहिए कि गुणवत्ता के प्रति जागरुकता के

लिहाज से शहरी समाज भी कोई ज्यादा सचेत नहीं है। यह खुली हुई बात है कि किसी बड़े ब्रांड का लोकल संस्करण शहर या महानगर का मध्य या निम्नमध्य वर्गीय उपभोक्ता भी खुशी-खुशी खरीदता है। यहाँ जागरुकता का कोई प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि वह ऐसा सोच-समझकर और अपनी जेब की हैसियत को जानकर ही कर रही है। फिर गाँववाला उपभोक्ता ऐसा क्यों न करे। पर फिर भी यह नहीं कहा जा सकता कि यदि समाज में कोई गलत काम हो रहा है तो उसे रोकने के जतन न किए जाएँ। यानी नकली सामान के इस गोरखधंधे पर विराम लगाने के लिए जो कदम या अभियान शुरू करने की ज़रूरत है वह तत्काल हो।

-**हिंदुस्तान 6 अगस्त 2006, साभार**

(ii) लोगों ने लड़कों की टोली को **मेंढक-मंडली** नाम किस आधार पर दिया? यह टोली अपने आपको **इंदर सेना** कहकर क्यों बुलाती थी? **[3]**

(iii) लुट्टन सिंह पहलवान की दी गई शिक्षा-दीक्षा पर पानी क्यों फिर गया? **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) लेखिका के कार्यों में भक्तिन किस प्रकार से मदद करती थी? **[2]**

(ii) सभी को अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है- **भक्तिन** पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है? **[2]**

(iii) शिरीष के फूलों की मुख्य विशेषता का वर्णन कीजिए। **[2]**

14. **निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-** **[4]**

(i) यशोधर बाबू का अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार था? **सिल्वर वैडिंग** के आधार पर बताइए। **[2]**

(ii) दत्ता जी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक आनंद यादव और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेना पड़ता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता? अनुमान लगाएँ। **[2]**

(iii) सिंधु घाटी की सभ्यता केवल अवशेषों के आधार पर बनाई गई एक धारणा है। इस विचार के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **[2]**

Solutions

खंड अ (वस्तपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

   1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्र में जीत हासिल करने में भारतीय नौसेना द्वारा निभाई गई निणार्यक भूमिका की याद में प्रति वर्ष 04दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा अवसर है जब हम अपने शहीदों को श्रध्दांजलि अर्पित करते हैं तथा अपने सेवानिवृत्त सैनिकों और युद्ध-विधवाओं के बलिदान को याद करते हैं। इस दिन भारतीय नौसेना राष्ट्र की निरंतर सेवा के प्रति अपनी वचनबद्धता और निष्ठा को दोहराती है। भारत की समुद्री शक्ति के प्रमुख उपादान और अभिव्यक्ति के रूप में समुद्री अधिकार-क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा की निगरानी और उसमें बढोत्तरी के लिए भारतीय नौसेना एक अहम भूमिका का निर्वाह करती है अधिकांशत: जनता की नजरों से दूर 'खामोशी के साथ काम करने वाली इस सेना' के आकार और क्षमता में स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद वृद्धि हुई है, जो सतत रूप से बढ़ते इसके कार्यक्षेत्र तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके बढ़ते महत्व के अनुरूप है। नौसेना की सक्रियात्मक गतिविधियों में तदनुसार संगत विस्तार हुआ है तथा इसमें हिंद महासागरीय क्षेत्र तथा उससे परे के क्षेत्रों का भी समावेश हो गया है। यह जानकर शुख्द अनुभूति होती है कि नौसेना हमारी विस्तृत समुद्री सीमाओं की निरंतर चौकसी कर रही है और उनमे पेश आने वाले खतरों और चुनौतियों का हमेशा तेजी से और पूरी दक्षता के साथ मुकाबला किया है। समुद्री डकैती की रोकथाम, प्राक्रतिक आपदाओं और मानवीय त्रासदी के दौरान तत्काल सहायता उपलब्ध कराने में भारतीय नौसेना की अनवरत प्रतिवद्धता वास्तव में सराहनीय है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे समर्पित और निष्ठावान नौसेना कार्मिक राष्ट्र द्वारा उन्हें सौंपे गए दायित्वों को पूरा करने के लिए सतत प्रयास करते रहेंगे।

   (i) (ii) परम्परा से मिले-जुले
   (ii) (i) 1971 में
   (iii) (i) विशाल समुद्री सीमा की चौकसी कर रही है।
   (iv) (iii) महत्वपूर्ण भूमिका
   (v) (iii) 4 दिसंबर
   (vi) (i) राष्ट्र की निरंतर सेवा के प्रति वचनबद्धता को निभाती है।
   (vii) (iii) I और III
   (viii) (ii) हिन्द महासागर से परे
   (ix) (i) हमारी विस्तृत समुद्री सीमाओं की
   (x) (i) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

   पथ भूल न जाना पथिक कहीं
   पथ में काँटे तो होंगे ही
   दूर्वादल सरिता सर होंगे
   सुंदर गिरी वन वापी होंगे

सुन्दरता की मृगतृष्णा में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।
जब कठिन कर्म पगडंडी पर
राही का मन मनुन्मुख होगा
जब सपने सब मिट जाएँगे
कर्तव्य मार्ग सन्मुख होगा
तब अपनी प्रथम विफलता में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं

(i) **(क)** सुन्दरता के आकर्षण में
व्याख्या: सुन्दरता के आकर्षण में

(ii) **(ग)** वन-तालाब और सुंदर दृश्य
व्याख्या: वन-तालाब और सुंदर दृश्य

(iii) **(ग)** जीवन की कठोर साधना को
व्याख्या: जीवन की कठोर साधना को

(iv) **(ख)** केवल कथन (I) और (II) सही हैं।
व्याख्या: केवल कथन (I) और (II) सही हैं |

(v) **(ख)** 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)
व्याख्या: 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-

(i) **(क)** 400 वर्ष
व्याख्या: विश्व में पत्रकारिता को अस्तित्व में आए लगभग 400 वर्ष हुए है।

(ii) **(ख)** नारद को
व्याख्या: भारत का पहला समाचार वाचक नारद को माना जाता है।

(iii) **(ख)** संपादन
व्याख्या: संपादन का अर्थ है-किसी सामग्री से उसकी अशुद्धियों को दूर करके उसे पठनीय बनाना। एक उप-संपादक अपनी रिपोर्टर की खबर को ध्यान से पढ़कर उसकी भाषागत अशुद्धियों को दूर करके प्रकाशन योग्य बनाता है।

(iv) **(क)** दुरूह भाषा
व्याख्या: रडियो समीक्षा में दुरूह भाषा आवश्यक नहीं है।

(v) **(क)** निरंतर दिलचस्पी और सक्रियता
व्याख्या: निरंतर दिलचस्पी और सक्रियता से विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है।

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी

(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कुराएँगे हम

(i) **(ग)** असमर्थता को
व्याख्या: असमर्थता को

(ii) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(क)** जब अपाहिज व्यक्ति और दर्शक की मनःस्थिति एक जैसी हो जाएगी
व्याख्या: जब अपाहिज व्यक्ति और दर्शक की मनःस्थिति एक जैसी हो जाएगी

(iv) **(घ)** कार्यक्रम की व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता
व्याख्या: कार्यक्रम की व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता

(v) **(ग)** अपाहिज व्यक्ति और दर्शक
व्याख्या: अपाहिज व्यक्ति और दर्शक

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

यह विडंबना की ही बात है, कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है, कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है, कि जाति-प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है। श्रम विभाजन, निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, परंतु किसी भी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभविक विभाजन नहीं करती। भारत की जाति-प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती, बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है, जोकि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) **(ख)** जाति-प्रथा का
व्याख्या: जाति-प्रथा का

(ii) **(ग)** सभ्य आधुनिक समाज
व्याख्या: सभ्य आधुनिक समाज

(iii) **(क)** विकल्प (iii)
व्याख्या: यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन करती है और विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे को ऊँच-नीच बताना

(iv) **(क)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(v) **(ख)** ii और iii
व्याख्या: ii और iii

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेत् निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-
(i) **(ख)** 25 मिनट
व्याख्या: पाठ के अनुसार यशोधर बाबू ने शाम को 25 मिनट तक पूजा किया। वे पार्टी में आए मेहमानों के समक्ष नहीं जाना चाहते थे, इसीलिए उस दिन उन्होंने अधिक देर तक पूजा किया।
(ii) **(ग)** आई० ए० एस० की तैयारी
व्याख्या: आई० ए० एस० की तैयारी
(iii) **(ख)** विधवा बुआ ने
व्याख्या: यशोधर बाबू की माँ का बचपन में ही निधन हो गया था इसलिए उनका पालन-पोषण उनकी विधवा बुआ ने किया था।
(iv) **(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(v) **(घ)** कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।
व्याख्या: कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।
(vi) **(ख)** केशव प्रथम वीर
व्याख्या: केशव प्रथम वीर
(vii) **(ख)** 1935
व्याख्या: 1935
(viii) **(घ)** साधुओं के
व्याख्या: महाकुंड के तीन तरफ साधुओं के कक्ष बने हुए थे।
(ix) **(क)** लैंडस्केप
व्याख्या: मुअनजो-दड़ो को नागर भारत का सबसे पुराना लैंडस्केप कहा गया है।
(x) **(ख)** 5000 साल
व्याख्या: मुअनजो-दड़ो का नगर 5000 साल पहले का है।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:
(i) **सुबह की सैर का आनंद**

जीवन में सुबह की सैर का आनंद अपनी खासियत रखता है। सबही की सुरमई धूप और फ्रेश हवा एक नई ऊर्जा और प्रफुल्लित भावनाओं को हमारे अंतरंग क्षेत्र में उत्पन्न करती है। सैर के दौरान हम नये-नये प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते हैं और मानसिक तनाव से राहत पाते हैं। सुबह की सैर करने से हमारा मन शांत होता है और हमें ताजगी और उत्साह की भावना मिलती है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है क्योंकि यह हमें नियमित व्यायाम करने का

मौका देता है और हमारे शरीर को शक्ति और ऊर्जा प्रदान करता है। इसके साथ ही, सैर करने से हम अपने आस-पास के प्राकृतिक वातावरण का आनंद ले सकते हैं और स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ सकते हैं।
सुबह की सैर करने का आनंद अद्वितीय होता है। यह हमें आशा और आनंद की भावना से भर देता है और हमारे जीवन को सकारात्मक दिशा में प्रवृत्त करता है। इसलिए, अपनी सुबह को अद्वितीय बनाने के लिए हमें इस अनमोल सौभाग्य का उपयोग करना चाहिए और सैर के माध्यम से प्रकृति का लुफ्त उठाना चाहिए। इससे हमारा जीवन सुखमय और समृद्ध होगा।

(ii) **स्वदेश-प्रेम**

देश-प्रेम की भावना स्वाभाविक है। मनुष्य अपने देश की हर वस्तु, व्यक्ति, साहित्य, संस्कृति यहाँ तक कि उसके कण-कण से प्यार करता है। यह हृदय की सच्ची भावना है जो केवल सच्चाई व महानता को स्पष्ट करती है।सच्चा देश प्रेम बहुत ही कम देखने को मिलता है, और बढ़ते समय के साथ इसमें गिरावट आ रही है।
देश-प्रेम की भावना से प्रभावित होकर श्री राम ने सोने की लंका को धूल के समान समझा और विभीषण को लंका का राजा बना दिया। इसी तरह अन्य महान पुरुषों ने अपनी जन्मभूमि भारत के प्रति अपने प्राण न्योछावर करने में हिचकिचाहट नहीं दिखाई। रानी लक्ष्मीबाई, कुँवर सिंह, बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर, वीर सावरकर आदि न जाने कितने देश-प्रेमी थे जो आज हमारे लिए प्रेरणा बने हुए हैं।
कुछ लोग स्वदेश-प्रेम को स्थूल रूप में लेते हैं। वे भारत माता की मूर्ति की पूजा करते हैं या 'भारत माता की जय' बोलने से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति मान लेते हैं। यह किसी ढोंग से कम नहीं है,और ये अपने देश के प्रति एक धोखा है। देश-प्रेम सूक्ष्म भाव है जो हम अपने कार्यों से व्यक्त करते हैं। जो देशवासी अपने कर्तव्य देश के प्रति पूर्ण करता है, वही देश-प्रेमी है। स्वदेश-प्रेमी कभी देश के विघटन की बात नहीं करता। वह मानसिक व भौतिक शक्ति में वृद्धि का प्रयास करता है। साथ ही, देश के अन्यायपूर्ण शासनतंत्र को उखाड़ फेंकना भी देश-प्रेमी का कर्तव्य है, देश पर कोई संकट आए तो प्राण न्योछावर करने वाला ही देश-प्रेमी हो सकता है।

(iii) गाँव का जीवन शांत और शुद्ध माना जाता है क्योंकि गाँवों में लोग प्रकृति के अधिक निकट होते हैं। हालांकि, इसकी चुनौतियाँ भी हैं। गाँव के इलाकों में रहने वाले लोग शांतिपूर्ण जीवन जीते हैं लेकिन वे कई आधुनिक सुविधाओं से रहित होते हैं जो जीवन को आरामदायक बनाते हैं। एक ग्रामीण के जीवन में एक दिन की शुरुआत सुबह से होती है। लोग आमतौर पर सुबह 5 बजे उठते हैं और अपने दैनिक कामों की शुरुआत करते हैं। चूंकि गाँवों में ज्यादातर लोग अपनी छत पर सोते हैं, इसलिए सुबह के उजाले के दौरान वे जाग जाते हैं। यहां तक कि वे मुर्गे की बाँग से जाग सकते हैं। अधिकांश गाँवों में पुरुष सदस्य काम करने के लिए बाहर जाते हैं जबकि महिलाएं घर पर बैठती हैं और घर के कामों को पूरा करती हैं जैसे कि सफाई और खाना बनाना। बच्चे तैयार होते हैं और पास में स्थित विद्यालय में जाते हैं। पुरुष सदस्य ज्यादातर खेती और अन्य कृषि गतिविधियों में शामिल होते हैं। उनके पास या तो अपने खेत हैं या उन्हें किराए पर लेने वाले जमींदारों के लिए काम करते हैं। घर से काम पर जाने के लिए साइकिल सबसे आम साधन है। यही वजह है कि शहरों की तुलना में गाँवों में प्रदूषण का स्तर बहुत कम है। किसान खेतों में मेहनत करते हैं। उनमें से बहुत से लोग दोपहर के भोजन के लिए घर जाते हैं और अन्य लोग

अपना दोपहर का भोजन एक पेड़ की छाया में करते हैं। गाँव में जीवन धीमा लेकिन शांतिपूर्ण होता है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) i. कहानी में कहानीकार संवादों को इसलिए जोड़ता है क्योंकि संवाद ही कहानी को गति देते हैं। संवादों के माध्यम से ही कहानीकार किसी भी घटना या प्रतिक्रिया को सामने लाता है। संवाद पात्रों के स्वभाव और पूरी पृष्ठभूमि के अनुकूल होने चाहिए। संवाद कहानी के विश्वासों, आदर्शों तथा स्थितियों के अनुकूल होने चाहिए।

(ii)

अथवा

i. मुद्रित माध्यमों की सबसे बड़ी सीमा यही है कि यह केवल पढे-लिखे और साक्षर व्यक्तियों के लिए उपयोगी है। जो निरक्षर हैं, उनके लिए मुद्रित माध्यमों यानि अखबार और पत्रिका का कोई महत्व नहीं है। इसके अलावा लेखक को पाठक की योग्यता के साथ उसकी रुचि का भी ध्यान रखना पड़ता है। तथा इनमें तुरंत घटी घटनाओं को नहीं दिखाया जा सकता है ।

(iii) i. रेडियो नाटक में पात्रों संबधी तमाम जानकारी हमें संवादों के माध्यम से ही मिलती हैं। उनके नाम, आपसी संबंध, चारित्रिक विशेषताएँ, ये सभी हमें संवादों द्वारा ही उजागर करना होता है। भाषा पर भी आपको विशेष ध्यान रखना होगा। वो पढ़ा-लिखा है कि अनपढ़, शहर का है कि गाँव का, क्या वो किसी विशेष प्रांत का है, उसकी उम्र क्या है, वो क्या रोशगार-धंधा करता है। इस तरह की तमाम जानकारियाँ उस चरित्र की भाषा को निर्धारित करेंगी। फिर पात्रों का आपसी संबंध भी संवाद की बनावट पर असर डालता है। एक ही उदाहरण व्यक्ति अपनी पत्नी से अलग ढंग से बात करेगा, अपने नौकर से अलग ढंग से, आपने बॉस के प्रति सम्मानपूर्वक रवैया अपनाएगा, तो अपने मित्रा वेफ प्रति उसका बराबरी और गरम-जोशी का व्यवहार होगा। ये सब प्रकट होगा उसके संवादों से।

(iv)

अथवा

i. विशेष लेखन को सभी पाठक नहीं पढ़ते, प्रत्येक विषय का पाठक वर्ग अलग होता है जैसे समाचार पत्र में कारोबार औए व्यापार का पन्ना कम पाठक पढ़ते हैं लेकिन जो पाठक पढ़ते है उनकी संख्या सामान्य पाठकों से ज्यादा होती है और उनकी उम्मीद होती है कि उनको उनके विषय की ज्यादा से ज्यादा जानकारी मौजूदा समय के हिसाब से मिले।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) रेडियो के लोकप्रियता के कारण निम्नांकित हैं -

- सस्ता व सुलभ साधन
- अन्य कार्य करते हुए भी रेडियो का उपयोग संभव
- व्यापक प्रसार और दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुँच

(ii) इंटरनेट पर समाचारों का प्रकाशन अथवा आदान-प्रदान, इंटरनेट पत्रकारिता कहलाता है।

(iii) विशेष रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण और व्यापक विषय पर विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जाती है। यह विषय के बारे में गहन अध्ययन, शोध और विश्लेषण के आधार पर बनाई जाती है। विशेष रिपोर्ट में प्रमुख तथ्य, आँकड़े, विश्लेषण, उदाहरण, चित्रों और ग्राफिक्स का उपयोग किया जाता है। इसे व्यापक रूप से संगठित किया जाता है ताकि पाठकों को गहन जानकारी और समझ मिल सके।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) दिन जल्दी-जल्दी ढलने के कारण व्यक्ति अधिक सजग हो जाता है। जल्दी-जल्दी ढलने की आशंका के कारण व्यक्ति में स्फूर्ति आ जाती है। अतः वह प्रत्येक कार्य समय रहते शीघ्र पूरा कर लेना चाहता है। 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' की आवृत्ति के द्वारा कविता में समय के तेजी से व्यतीत होने का संकेत किया गया है अर्थात् समय तेजी से दौड़ता है। हर प्रकार के पथिक को लक्ष्य तक पहुँचने के लिए अपनी गति में तीव्रता लानी चाहिए। समय निरंतर प्रवाहमान होती रहती है। साथ ही ढल रहे अर्थात् बीते समय को कभी भी लौटाया नहीं जा सकता।

(ii) कवि अपनी बात को प्रभावशाली भाषा में कहना चाहता था। बात को प्रभावशाली बनाने के चक्कर में वह अपने लक्ष्य से भटक कर शब्दों के आडंबर में उलझ गया। भाषा के चक्कर से वह अपनी बात को निकालने की कोशिश करता है, परंतु वह नाकाम रहता है। बार-बार कोशिश करने के कारण उसे पसीना आ जाता है।

(iii) लक्ष्मण को मुर्च्छित देखकर राम भावविह्वल हो उठते हैं। वे आम व्यक्ति की तरह विलाप करने लगते हैं। वे लक्ष्मण को अपने साथ लाने के निर्णय पर भी पछताते हैं। वे लक्ष्मण के गुणों को याद करके रोते हैं कि पुत्र, नारी, धन, परिवार आदि तो संसार में बार-बार मिल जाते हैं, किंतु लक्ष्मण जैसा भाई दोबारा नहीं मिल सकता। लक्ष्मण के बिना वे स्वयं को पंख कटे पक्षी के समान असहाय, मणि रहित साँप के समान तेज रहित तथा सूँड रहित हाथी के समान असक्षम मानते हैं। वे इस चिंता में थे कि अयोध्या में सुमित्रा माँ को क्या जवाब देंगे तथा लोगों का उपहास कैसे सुनेंगे कि पत्नी के लिए भाई को खो दिया।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) इन रुबाइयाँ में, माँ के वात्सल्य भाव को बहुत ही सुंदर और प्राकटिक तरीके से प्रकट किया गया है। पहली पंक्ति में, "आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी" दर्शाती है कि माँ अपने बच्चे के लिए सबसे बेहतरीन चीजों को चाहती हैं। चाँद के टुकड़े को खड़ा रखना इसका सुंदर प्रतीक है, जो दिखाता है कि माँ अपने बच्चे को सिर्फ अच्छा ही चाहती है। दूसरी पंक्ति "हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी" में, हम देखते हैं कि माँ अपने बच्चे को गोद में झुलाकर उसके साथ समय बिताती है। गोद में झूलना माँ का प्यार और स्नेह दिखाता है, जो उसके बच्चे के साथ बिताने के लिए सबसे सुरक्षित और अच्छे स्थान को प्रदान करता है। तीसरी पंक्ति "रह-रह के हवा में जो लोका देती है" द्वारा दिखाया गया है कि माँ अपने बच्चे की खुशी और आनंद के लिए सब कुछ करेंगी। हवा में झूलना एक स्वतंत्र और खुशल अनुभव होता है, और माँ यह खुशी अपने बच्चे को प्रदान करने के लिए सब कुछ करेंगी। इन पंक्तियों में व्यक्त किए गए भाव-सौन्दर्य में माँ का प्यार, स्नेह, और सुरक्षा भाव सुंदरता से प्रकट हो रहे हैं। ये रुबाइयाँ एक माँ के प्रेम और वात्सल्य की महत्वपूर्ण भावना को सुंदरता से छवित करती हैं और पठकों को एक गहरी और अनुभवित भावना का अहसास कराती हैं।

(ii) पतंग उड़ाने और उसे पकड़ने-काटने की होड़ में छत की सभी दिशाओं में दौड़ते बच्चे उत्साहपूर्ण कोलाहल उत्पन्न करते हैं, उस समय उनके कोमल चरणों के आघात की ध्वनि की गूँज चारों तरफ मृदंग की तरह गुंजित होती है।

(iii) काली 'सिल' तथा काले 'स्लेट' के माध्यम से कवि रात्रि की समाप्ति के साथ लुप्त होते हुए अंधकार को प्रतीक रूप में रखता है। उषा के आगमन के समय आकाश का दृश्य ऐसा है, मानो काली सिल को किसी ने लाल केसर से धो दिया हो या काले स्लेट पर किसी छोटे बालक ने लाल खड़िया चाक मल दिया हो। इस प्रकार कवि 'सिल' और 'स्लेट' के माध्यम से अंधकार की कालिमा तथा प्रातःकाल की लालिमा को एक समानता के साथ सामने रखता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) i. नकली सामान की जागरुकता के लिए हम आवाज़ उठा सकते हैं। यदि हमें कहीं पर नकली सामान बिकता हुआ दिखाई देता है, तो हम उसकी शिकायत सरकार से कर सकते हैं। सतर्क रह सकते हैं। प्रायः हम ही नकली सामान की खरीद-फरोक्त में शामिल होते हैं। लापरवाही से सामान खरीदना हमारी गलती है और कभी-कभी यह गलती हमारे लिए बहुत हानिकारक सिद्ध होती हैं। अतः हमें चाहिए कि इस विषय में स्वयं जागरूक रहें और अन्य को भी जागरूक करें।

ii. उपभोक्ताओं के हित को मद्देनज़र रखते हुए सामान बनाने वाली कंपनियों का नैतिक दायित्व है कि वह सामान की गुणवत्ता में ध्यान दें और उसे अधिक बेहतर बनाने का प्रयास करें। एक उपभोक्ता कंपनी को उसके सामान की तय कीमत देता है। अतः कंपनी को चाहिए कि वह उपभोक्ता के स्वास्थ्य और ज़रूरत को ध्यान में रखकर अच्छा सामान दे और उसे उपलब्ध करवाए। अपने सामान की समय-समय पर जाँच करवाएँ। उनके निर्माण के समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

iii. आज के समय में ब्रांडेड सामान खरीदकर मनुष्य अपनी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति को दर्शाना चाहता है। इसके अतिरिक्त यह मान लिया जाता है कि एक ब्रांडेड सामान की गुणवत्ता ही अच्छी है। आज ब्रांडेड सामान दिखावे का हिस्सा बन गया है। फिर वह सामान नकली हो या उधार पर लिया गया हो लेकिन लोग इन्हें पहनकर अपनी ऊँची हैसियत दिखाना चाहते हैं। इसके लिए वह माँगकर पहनने से भी नहीं हिचकिचाते।

(ii) अनावृष्टि होने पर जब गाँव वालों के सारे उपाय विफल हो जाते थे, तब अंत मे गाँव के किशोर बच्चे टोली बनाकर गली-गली घूमकर लोगों से पानी माँगते थे, जब उनपर लोग पानी डालते तब वे प्रसन्नता पूर्वक पानी से सराबोर होकर धूल-मिट्टी में लोट-पोट जाते थे। गाँव के कुछ लोगों को लड़कों का नंग-धड़ग होकर कीचड़ में लथपथ होना, उछल-कूद मचाना बुरा लगता था। वे इसे अंधविश्वास मानते थे इसलिए उन्होंने लड़कों की ऐसी टोली को मेंढक मंडली-नाम दिया था। जबकि बच्चों का ऐसा मानना था कि वे इंद्र की सेना के सैनिक है और उसी के लिए वे लोगों से पानी का दान माँगते हैं। अत: वे स्वयं को इंदर सेना के नाम से पुकारते थे।

(iii) लुट्टन सिंह पहलवान के द्वारा दी गई शिक्षा से उसके दोनों पुत्र सामाजिक व राजसी रूप से भावी पहलवान घोषित हो चुके थे। राजा की अकस्मात् मृत्यु होने के पश्चात् उत्तराधिकारी बने नए विलायती राजा ने पाया कि इन पहलवानों पर होने वाला राजसी खर्च बहुत अधिक है, क्योंकि नए राजा को कुश्ती का शौक नहीं था। अतः उन तीनों को उसने बिना किसी सुनवाई के ही राज दरबार से निकाल दिया।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) लेखिका के कार्यों में भक्तिन हर तरह से मदद करती थी। वह लेखिका के खान-पान, रहन-सहन आदि का ध्यान रखती थी। वह उसकी पुस्तकों का भी ध्यान रखती थी और कभी-कभी छात्रावास के बच्चों की भी देखभाल कर लिया करती थी। वह लेखिका के इधर-उधर पड़े रुपयों को भी मटकी में सँभालकर रख देती थी।

(ii) भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मी था, परंतु वह अपना वास्तविक नाम लोगों से छिपाने का प्रयास करती थी। उसकी वेश-भूषा, उसके हाव-भाव, चाल-चलन, मुंडा हुआ सिर और गले में पड़ी माला आदि को देखकर लेखिका महादेवी वर्मा ने उसका नाम भक्तिन रख दिया। यह नाम भक्तिन के बाह्य रूप को देखकर बिलकुल उचित प्रतीत होता है। यही कारण है कि भक्तिन ने अपने इस नए नामकरण का कभी विरोध नहीं किया अन्यथा वह लेखिका से इतना घुलमिल गई थी कि नाम पसंद नहीं आने पर वह लेखिका से अपनी नाराजगी अवश्य व्यक्त कर देती इसलिए पाठ में ऐसा कहा गया है कि सभी को अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है।

(iii) शिरीष के फूलों की मुख्य विशेषता है कि वे फूल ज्येष्ठ मास की भयंकर गर्मी में भी फूलने की हिम्मत करते हैं। आँधी, तूफ़ान तथा लू भी इसकी हिम्मत का लोहा मानते हैं। इसके अलावा कनेर और अमलतास इस मौसम में दिखाई तो देते हैं, पर शिरीष के फूल की तुलना उनसे नहीं की जा सकती, क्योंकि अमलतास केवल 15-20 दिनों के लिए ही फूलता है।

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-

(i) यशोधर बाबू डेमोक्रेट बाबू थे। वे हरगिज यह दुराग्रह नहीं करना चाहते थे कि बच्चे उनके कहे को पत्थर की लकीर मानें। अतः बच्चों को अपनी इच्छा से काम करने की पूरी आज़ादी थी। यशोधर बाबू तो यह भी मानते थे कि आज बच्चों को उनसे कहीं ज़्यादा ज्ञान है, मगर अनुभव का अपना अलग महत्त्व होता है। अतः वे सिर्फ इतना भर चाहते थे कि बच्चे जो कुछ भी करें, उनसे पूछ जरूर लें। इस तरह हम यह कह सकते हैं कि वे स्वयं चाहे जितने पुराणपंथी थे, बच्चों को स्वतंत्र जीवन जीने देते थे।

(ii) दत्ता जी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेते और सच बताते कि उन्होंने दत्ता जी राव से पिता को बुलाकर लेखक को स्कूल भेजने के लिए कहा है तो लेखक के पिताजी उनके घर न जाते या उनके सामने बहाना बना देते अथवा माँ-बेटे की पिटाई कर देते, उधर न जाने की सख्त हिदायत देकर लेखक को खेती में झोंक देते, जिससे लेखक का पाठशाला जाने का सपना कभी पूरा नहीं हो पाता और जीवन भर के लिए खेती के काम में लगा रह जाता इस प्रकार उसका जीवन बरबाद हो जाता।

(iii) सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी। यहाँ पर साधनों की कमी नहीं है। सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेषों के आधार पर ही इसकी नगर योजना, कृषि, संस्कृति और कला आदि के बारे में बताया जा सका है। अवशेषों के कोई लिखित प्रमाण तो नहीं मिले हैं, पर इतनी पुरानी सभ्यताओं के लिखित प्रमाण संभव होते भी नहीं है। जो चित्रलिपि यहाँ से मिली है, उसका अध्ययन भी नहीं किया जा सका। इस आधार पर केवल अवशेषों को ही प्रमाण माना जाता है। मनुष्यों द्वारा ये अवशेष बनाए गए हैं, जो इतने समय के बाद भी अभी तक उपलब्ध हैं। सिंधु घाटी में ईंटों, मूर्तियों, भवनों इत्यादि के अवशेष मिलते हैं। इन्हीं प्रमाणों के कारण संपूर्ण सभ्यता व संस्कृति की सुंदर कल्पना की गई है। उदहारण के लिए खुदाई से प्राप्त नर्तकी की मूर्ति के आधार पर उस समय की

मूर्तिकला, नृत्यकला एवं केश-विन्यास का पता चलता है।सिंधु घाटी सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्यबोध है। जो वस्तु जिस प्रकार सुंदर लग सकती थी, उसका उसी प्रकार से उपयोग किया गया था।